UPSC MAINS · ANSWER PRACTICE

Society & Social Justice · GS - I

भारत में डिजिटल शिक्षा

प्लेटफॉर्म सामाजिक और शैक्षिक
असमानताओं को कम करने में

महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते

हैं। SWAYAM के संदर्भ में उनकी
संभावनाओं और चुनौतियों का

विश्लेषण कीजिए।

शब्द सीमा : 150 शब्द अंक: 10

EXAM YEAR

Daily Practice 11/10/2026

PAPER

GS - I

SUBJECT

Society & Social Justice

MARKS

10

WORD LIMIT

~150 words

Answer Hint

SWAYAM शिक्षा की पहुँच , समानता और गुणवत्ता बढ़ाता है; लेकिन
डिजिटल विभाजन , इंटरनेट की उपलब्धता , डिजिटल साक्षरता और
प्रमाणपत्रों की मान्यता जैसी चुनौतियाँ बनी हुई हैं।

Model Answer

डिजिटल शिक्षा भारत में शिक्षा की पहुँच बढ़ाने और सामाजिक -आर्थिक
असमानताओं को कम करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। SWAYAM भारत
सरकार की पहल है, जिसका उद्देश्य शिक्षा में पहुँच , समानता और
गुणवत्ता को बढ़ावा देना है।

संभावनाएँ : SWAYAM के माध्यम से विद्यार्थी विभिन्न विषयों के
ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का लाभ उठा सकते हैं। यह भौगोलिक बाधाओं को कम
करता है, आजीवन सीखने को प्रोत्साहित करता है और वंचित वर्गों के

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias

लिए गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक सामग्री तक
पहुँच बढ़ाता है। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति
के डिजिटल और लचीले शिक्षण के दृष्टिकोण को
भी समर्थन देता है।

चुनौतियाँ : इंटरनेट और उपकरणों की असमान
उपलब्धता , डिजिटल साक्षरता की कमी, भाषाई
बाधाएँ तथा ऑनलाइन शिक्षा में सीमित
व्यक्तिगत संवाद इसकी प्रभावशीलता को
प्रभावित करते हैं। इसके अतिरिक्त ,
पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता और प्रमाणपत्रों
की संस्थागत मान्यता भी महत्वपूर्ण हैं।

आगे की राह: ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल
अवसंरचना का विस्तार , स्थानीय भाषाओं में
सामग्री , दिव्यांग -अनुकूल शिक्षण और
ऑनलाइन -ऑफलाइन शिक्षा का समन्वय आवश्यक
है।

इस प्रकार , SWAYAM समावेशी शिक्षा का प्रभावी
साधन बन सकता है, बशर्ते डिजिटल विभाजन को
दूर किया जाए।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias